जिलाधिकारी/अध्यक्ष, जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन की अध्यक्षता में दिनांक 11 जून, 2025 को जल जीवन मिशन के अन्तर्गत सम्पादित कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा के सम्बन्ध में बैठक का कार्यवृत्त।

नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति अनुभाग–1, उ0प्र0 शासन, लखनऊ के कार्यालय ज्ञाप संख्या– 95/छिहत्तर–1–2020–20 स्वजल/2010 टी0सी0–अ दिनांक– 21.01.2020 के द्वारा जिला पेयजल स्वच्छता मिशन का गठन किया गया था। गठित समिति की बैठक दिनांक 11 जून, 2025 को जिलाधिकारी की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन के अन्तर्गत फर्म मेसर्स जे0एम0सी0 प्रोजेक्ट इण्डिया लि0 एवं मेसर्स पावरमेक प्रोजेक्ट लि0 तथा समस्त आई0एस0ए0/आई0ई0सी0 एजेन्सीज कार्यों के सम्बन्ध में जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय, प्रतापगढ़ में आहूत की गयी, जिसमें निम्न अधिकारी एवं फर्म के प्रतिनिधि उपस्थित रहे –

1	जिलाधिकारी, प्रतापगढ़।	अध्यक्ष
2	मुख्य विकास अधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
3	जिला विकास अधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
4	प्रभागीय वनाधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
5	जिला मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
6	जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
7	अधिशासी अभियन्ता, वाटर रिसोर्सस/सिंचाई, प्रतापगढ़।	सदस्य
8	अधिशासी अभियन्ता, ग्राउण्ड वाटर, प्रतापगढ़।	सदस्य
9	जिला कृषि अधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
10	जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, प्रतापगढ़।	सदस्य
11	श्री देवाशीष करमाकर, क्लस्टर हेड, मे0 जे0एम0सी0–एल0सी0ई0सी0पी0एल0 (जेवी), 06 तल, कलपतरू सेनर्जी ग्राण्ड हायात होटल के सामने सान्ताक्रूज (ईस्ट) मुम्बई।	कार्यदायी संस्था
12	श्री वेंकटेश, उप महाप्रबन्धक, मेसर्स पॉवर मेक प्रोजेक्ट–भुरथनम कान्स्ट्रक्शन (जेवी), प्लाट नं0– 77, जुबली इन्क्लेव, हाईटेक ऑकेड, मधापुर, हैदराबाद।	कार्यदायी संस्था
13	श्री आलोक दूबे, प्रोजेक्ट मैनेजर, मेसर्स एल0सी0 इन्फ्रा प्रा0लि0, अहमदाबाद, गुजरात	कार्यदायी संस्था
14	समस्त आई0एस0ए0 एजेन्सीज/आई0ई0सी0 एजेन्सीज, प्रतापगढ़।	सहायक एजेन्सी
15	जिला समन्वयक, जिला परियोजना निगरानी इकाई, प्रतापगढ़।	अनुश्रवण इकाई
16	श्री अरूण कुमार, उप परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स मेधज टेक्नो कान्सेप्ट प्रा0लि0, प्रतापगढ़।	टी0पी0आई0ए0
17	अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), प्रतापगढ़।	सदस्य सचिव

बिन्दु संख्या– 1 (जल जीवन मिशन फेज–2 एवं 3 के अन्तर्गत सूचीबद्ध फर्म मेसर्स पावरमेक एवं मेसर्स जे0एम0सी0 द्वारा पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्यों की समीक्षा के सम्बन्ध में) –

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा जनपद प्रतापगढ़ में दो फर्मों क्रमशः मेसर्स कलपतरू प्रोजेक्ट इण्टरनेशनल लि0 (जे0एम0सी0) एवं मेसर्स पावरमेक प्रोजेक्ट लि0 को पेयजल योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु सूचीबद्ध किया गया है।

अ– सूचीबद्ध फर्म मेसर्स कलपतरू –

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि मेसर्स कलपतरू को आवंटित 366 नग (780 राजस्व ग्राम) योजनाओं के सापेक्ष 302 नग (670 राजस्व ग्राम) पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, शेष 66 नग पेयजल योजनाओं पर क्रमशः 6 नग पेयजल योजनाओं पर भूमि अप्राप्त, 15 नग पेयजल योजनाओं पर विवाद एवं 43 नग पेयजल योजनाओं पर खारा पानी प्राप्त होने के कारण कार्य बाधित है। प्रस्तावित 423 नग नलकूप के सापेक्ष 316 नग स्थानों पर ट्यूबवेल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है 16 नग नलकूप जिनका निर्माण कार्य प्रगति पर है, उन्हें माह जून, 2025 तक पूर्ण करने

के निर्देश दिये गये। प्रस्तावित 423 नग पम्प हाउस के सापेक्ष 98 नग कार्य प्रगति पर एवं 218 नग कार्य पूर्ण है। वितरण प्रणाली प्रस्तावित 5830 किमी0 के सापेक्ष 4679 किमी0 बिछायी जा चुकी है। प्रस्तावित 344 शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 188 नग स्थानों पर कार्य प्रगति पर है एवं 95 स्थानों पर कार्य पूर्ण है। वितरण प्रणाली बिछाये जाने के दौरान कुल डिस्मेंटल 1192 किमी0 के सापेक्ष 1170 किमी0 की मरम्मत करायी जा चुकी है एवं टी0पी0आई0 द्वारा सत्यापन के उपरान्त अवगत कराया गया कि 501 नग राजस्व ग्रामों में 100 प्रतिशत काटी गयी सड़क के मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रस्तावित 180013 नग क्रियाशील गृह नल संयोजन के सापेक्ष 70319 नग क्रियाशील गृह नल संयोजन तथा 90226 नग गृह संयोजन प्रदान किया जा चुका है।

प्रस्तावित 257 नग के सापेक्ष 257 नग सोलर सामग्री की आपूर्ति की जा चुकी है किन्तु मौके पर मात्र 105 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण है। जिलाधिकारी द्वारा नलकूप एवं सोलर की प्रगति अत्यन्त कम होने के कारण असंतोष व्यक्त करते हुए नलकूप एवं सोलर अधिष्ठापन की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार 166 नग के सापेक्ष 133 नग पेयजल योजनाओं के विद्युत संयोजन हेतु आवेदन किया जा चुका है, जिसमें से 24 नग पेयजल योजनाओं पर विद्युत संयोजन का कार्य अभी तक पूर्ण हो पाया है। सहायक अभियन्ता (वि0/यां0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), प्रयागराज द्वारा अवगत कराया गया कि 36 नग पेयजल योजनाओं पर सिविल के समस्त कार्य पूर्ण है किन्तु विद्युत संयोजन न होने के कारण जलापूर्ति प्रारम्भ नहीं की जा सकी है। इस सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, प्रतापगढ़ को जिन पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन हेतु धनराशि जमा की जा चुकी है, की सूची अधिशासी अभियन्ता, जल निगम से प्राप्त करते हुए एक सप्ताह के अन्दर उन पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन कराना सुनिश्चित करें, जिससे आम जनमानस को लाभ मिल सके। फर्म द्वारा मात्र अभी तक 32 नग पेयजल योजनाओं पर ही कार्य पूर्ण किया गया है।

फर्म मेसर्स कलपतरू द्वारा अपने अधूरे कार्य को पूरा करने हेतु जिलाधिकारी के समक्ष आश्वासन दिया गया, जिसकी समय–सीमा निम्नवत् है –

(i)- 16 नग नलकूप जिनका निर्माण कार्य प्रगति पर है, उन्हें माह जून, 2025 तक पूर्ण कर लिये जायेगें।
(ii)- समस्त निर्माणाधीन शिरोपरि जलाशय का कार्य 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।
(iii)- समस्त सोलर का कार्य जिनका अधिष्ठापन अभी तक नहीं हो पाया है, उसे 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।
(iv)- आवंटित पेयजल योजनाओं के समस्त निर्माण कार्य 31 दिसम्बर, 2026 तक पूर्ण कर लिये जायेगें।

<u>ब– सूचीबद्ध फर्म मेसर्स पावरमेक –</u>

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि मेसर्स पावरमेक को आवंटित 457 नग (1014 राजस्व ग्राम) योजनाओं के सापेक्ष 423 नग (955 राजस्व ग्राम) पेयजल योजनाओं पर कार्य प्रगति पर है, शेष 34 नग पेयजल योजनाओं पर क्रमशः 05 नग पेयजल योजनाओं पर भूमि अप्राप्त, 14 नग पेयजल योजनाओं पर विवाद एवं 15 नग पेयजल योजनाओं पर खारा पानी प्राप्त होने के कारण कार्य बाधित है। प्रस्तावित 562 नग नलकूप के सापेक्ष 494 नग स्थानों पर ट्यूबवेल का कार्य पूर्ण किया जा चुका है शेष 16 नग नलकूप जिनका निर्माण कार्य प्रगति पर है, उन्हें माह जून, 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिये गये। प्रस्तावित 562 नग पम्प हाउस के सापेक्ष 146 नग कार्य प्रगति पर एवं 348 नग कार्य पूर्ण है। वितरण प्रणाली प्रस्तावित 8552 किमी0 के सापेक्ष 8512 किमी0 बिछायी जा चुकी है। प्रस्तावित 454 शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 191 नग स्थानों पर कार्य प्रगति पर है एवं 239 स्थानों पर कार्य पूर्ण है। वितरण प्रणाली बिछाये जाने के दौरान कुल डिस्मेंटल 4854 किमी0 के सापेक्ष 4075 किमी0 की मरम्मत करायी जा चुकी है एवं टी0पी0आई0 द्वारा सत्यापन के उपरान्त अवगत कराया गया कि 436 नग राजस्व ग्रामों में 100 प्रतिशत काटी गयी सड़क के मरम्मत का कार्य पूर्ण किया जा चुका है। प्रस्तावित 220245 नग क्रियाशील गृह नल संयोजन के सापेक्ष 125430 नग क्रियाशील गृह नल संयोजन तथा 80434 नग गृह संयोजन प्रदान किया जा चुका है।

प्रस्तावित 519 नग के सापेक्ष 495 नग सोलर सामग्री की आपूर्ति की जा चुकी है किन्तु मौके पर मात्र 202 नग पेयजल योजनाओं पर सोलर अधिष्ठापन का कार्य पूर्ण है। जिलाधिकारी द्वारा नलकूप एवं सोलर की प्रगति कम होने के कारण असंतोष व्यक्त करते हुए नलकूप एवं सोलर अधिष्ठापन की प्रगति बढ़ाने के निर्देश दिये गये। इसी प्रकार 43 नग के सापेक्ष 34 नग पेयजल योजनाओं के विद्युत संयोजन हेतु आवेदन किया जा चुका है, जिसमें से किसी भी पेयजल योजना पर विद्युत संयोजन का कार्य अभी तक पूर्ण हो पाया है। इस सम्बन्ध में बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता विद्युत वितरण खण्ड, प्रतापगढ़ को जिन

पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन हेतु धनराशि जमा की जा चुकी है, की सूची अधिशासी अभियन्ता, जल निगम से प्राप्त करते हुए एक सप्ताह के अन्दर उन पेयजल योजनाओं पर विद्युत कनेक्शन कराना सुनिश्चित करें, जिससे आम जनमानस को लाभ मिल सके। फर्म द्वारा मात्र अभी तक 25 नग पेयजल योजनाओं पर ही कार्य पूर्ण किया गया है।

फर्म मेसर्स पावरमेक द्वारा अपने अधूरे कार्य को पूरा करने हेतु जिलाधिकारी के समक्ष आश्वासन दिया गया, जिसकी समय–सीमा निम्नवत् है –

(i)- 16 नग नलकूप जिनका निर्माण कार्य प्रगति पर है, उन्हें माह जून, 2025 तक पूर्ण कर लिये जायेगें।

(ii)- समस्त निर्माणाधीन शिरोपरि जलाशय का कार्य 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

(iii)- समस्त सोलर का कार्य जिनका अधिष्ठापन अभी तक नहीं हो पाया है, उसे 31 दिसम्बर, 2025 तक पूर्ण कर लिया जायेगा।

(iv)- आवंटित पेयजल योजनाओं के समस्त निर्माण कार्य 31 दिसम्बर, 2026 तक पूर्ण कर लिये जायेगें।

इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी ने वितरण प्रणाली बिछाये जाने के उपरान्त काटी गयी सड़कों को तत्काल गुणवत्तापूर्वक मरम्मत/पुर्नस्थापन कराने के निर्देश दोनों सूचीबद्ध फर्मों को दिये।

(कार्यवाही– अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, प्रतापगढ़/अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम/ प्रोजेक्ट मैनेजर, मेसर्स जे0एम0सी0 प्रोजेक्ट इण्डिया लि0/ उप महाप्रबन्धक, मेसर्स पावरमेक प्रोजेक्ट लि0)

बिन्दु संख्या– 2 (जल जीवन मिशन फेज–2 एवं 3 के अन्तर्गत भूमि अनुपलब्धता एवं भूमि विवाद के सम्बन्ध में) –

सूचीबद्ध फर्म मेसर्स कलपतरू के क्लस्टर हेड द्वारा अवगत कराया गया कि 06 नग स्थानों पर भूमि अप्राप्त, 15 नग पेयजल योजनाओं पर भूमि विवाद एवं 43 नग पेयजल योजनाओं पर खारा पानी प्राप्त होने के कारण कार्य बाधित है एवं सूचीबद्ध फर्म मेसर्स पावरमेक के उप महाप्रबन्धक द्वारा अवगत कराया गया कि 05 नग स्थानों पर भूमि अप्राप्त, 14 नग पेयजल योजनाओं पर भूमि विवाद एवं 15 नग पेयजल योजनाओं पर खारा पानी प्राप्त होने के कारण कार्य बाधित है। इस सम्बन्ध में जिलाधिकारी द्वारा जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई को भूमि विवाद एवं भूमि उपलब्धता में कोई प्रगति न होने के कारण कड़ा रोष व्यक्त किया गया तथा निम्न निर्देश निर्गत किये –

(i)- ऐसी योजना जहाँ अभी तक भूमि प्राप्त नहीं हुयी है, उनके सम्बन्ध में सम्बन्धित उपजिलाधिकारी से 03 दिवस के अन्दर भूमि की उपलब्धता या अनुपलब्धता के बारे में लिखित रूप से अवगत करायें एवं इसके उपरान्त जिन योजनाओं पर भूमि उपलब्ध नहीं हो पायेगी, उन स्थानों पर भूमि खरीदने हेतु जिलाधिकारी की तरफ से पत्र मुख्यालय प्रेषित किया जायेगा।

(ii)- ऐसी योजना जहाँ भूमि उपलब्ध है किन्तु किसी विवाद के कारण कार्य या तो शुरू नहीं हो पाया है या कार्य शुरू होने के बाद स्थानीय विवाद के कारण कार्य नहीं करने दिया जा रहा है, इस सम्बन्ध में निम्नानुसार कार्यवाही की जायेगी –

- यदि प्रकरण मा0 न्यायालय में नहीं है तो सम्बन्धित उप जिलाधिकारी व क्षेत्राधिकारी से 03 दिवस के अन्दर अतिक्रमण हटवाते हुए कार्य प्रारम्भ कराना सुनिश्चित करेगें।
- यदि प्रकरण मा0 न्यायालय में है एवं उस पर निषेधाज्ञा है तो उसके लिए 03 दिवस के अन्दर अच्छे अधिवक्ता के माध्यम से शीघ्र निस्तारण हेतु प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किया जायेगा।
- यदि प्रकरण मा0 जनपद न्यायालय में लम्बित है तो 03 दिवस के अन्दर पूरा विवरण लीगल सेल की बैठक में रखने हेतु जिलाधिकारी को उपलब्ध कराया जायेगा।

(iii)- ऐसी योजना जहाँ बोरिंग के दौरान खारा पानी प्राप्त हुआ है, उसकी कार्ययोजना एक सप्ताह के अन्दर जिलाधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेगें।

(कार्यवाही– उप जिलाधिकारी/क्षेत्राधिकारी/डी0सी0, डी0पी0एम0यू0/ अधिशासी अभियन्ता (वि0/यां0), उ0प्र0 जल निगम, प्रयागराज)

बिन्दु संख्या– 3 (जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आई0एस0ए0 एजेन्सीज द्वारा किये गये कार्यों के भुगतान के सम्बन्ध में)

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल जीवन मिशन कार्यक्रम के अन्तर्गत राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ द्वारा जनपद प्रतापगढ़ हेतु 07 आई0एस0ए0 एजेन्सीज क्रमशः 1– कृषि एवं शैक्षिक प्रबन्ध संस्थान लखनऊ, 2– प्रीती महिला एवं बाल

विकास संस्थान बस्ती, 3– प्रदूषण नियंत्रण ऊर्जा विकास समिति प्रयागराज, 4– ग्रामीण विकास शोध संस्थान प्रयागराज, 5– भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान प्रयागराज, 6– सर्वोदय ग्रामोद्योग सेवा समिति सुल्तानपुर, 7– डा0 भीमराव अम्बेडकर शिक्षण संस्थान अम्बेडकर नगर को प्रचार–प्रसार हेतु सूचीबद्ध किया गया है।

तत्क्रम में आई0एस0ए0 प्रीती महिला एवं बाल विकास संस्थान द्वारा 154 ग्राम पंचायतों, आई0एस0ए0 ग्रामीण विकास शोध संस्थान द्वारा 80 ग्राम पंचायतें, आई0एस0ए0 प्रदूषण नियंत्रण एवं ऊर्जा विकास समिति द्वारा 84 ग्राम पंचायतें, आई0एस0ए0 भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान द्वारा 48 ग्राम पंचायतें एवं आई0एस0ए0 कृषि एवं शैक्षिक प्रबन्ध संस्थान द्वारा 120 ग्राम पंचायतें में **प्रथम फेज** के अन्तर्गत कराये गये कार्यों का बीजक अनुमोदन हेतु प्रस्तुत किया गया है। आई0एस0ए0 द्वारा किये गये कार्यों का सत्यापन आई0एस0ए0 कोआर्डिनेटर जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) के जूनियर इंजीनियर/सहायक अभियन्ता एवं मुख्य विकास अधिकारी तथा जिलाधिकारी द्वारा गठित समिति द्वारा भी कर लिया गया है। जिसके अनुसार कार्य पूर्ण एवं संतोषजनक है।

क्र0सं0	आई0एस0ए0 का नाम	क्लस्टर सं0	सम्मिलित ग्राम पंचायत
1	प्रीती महिला एवं बाल विकास संस्थान	13 एवं 14	75
		26 एवं 27	79
2	ग्रामीण विकास शोध संस्थान	15 एवं 16	80
3	प्रदूषण नियंत्रण एवं ऊर्जा विकास समिति	30	44
		17	40
4	भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान	6 एवं 7	48
5	कृषि एवं शैक्षिक प्रबन्ध संस्थान	8, 9 एवं 10	120

अतः समिति द्वारा सर्वसम्मति से उपरोक्त प्रस्तुत आई0एस0ए0 प्रीती महिला एवं बाल विकस संस्थान के क्लस्टर सं0– 13, 14 (75 ग्राम पंचायत), 26, 27 (79 ग्राम पंचायत), आई0एस0ए0 ग्रामीण विकास शोध संस्थान के क्लस्टर सं0– 15 एवं 16 (80 ग्राम पंचायत), आई0एस0ए0 प्रदूषण नियंत्रण एवं ऊर्जा विकास समिति के क्लस्टर सं0– 30 (44 ग्राम पंचायत), 17 (40 ग्राम पंचायत), आई0एस0ए0 भारतीय महिला ग्रामोद्योग संस्थान के क्लस्टर सं0– 6 एवं 7 (48 ग्राम पंचायत) तथा आई0एस0ए0 कृषि एवं शैक्षिक प्रबन्ध संस्थान के क्लस्टर सं0– 8, 9 एवं 10 (120 ग्राम पंचायत) के प्रथम फेज के अन्तर्गत प्रस्तुत बीजक का अनुमोदन करते हुए पत्रावली अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को प्रेषित करने का निर्णय लिया गया।

(कार्यवाही– अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम/ जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई)

बिन्दु संख्या– 4 (जनपद स्तर पर छूटे हुए ग्राम के सम्बन्ध में) –

अधिशासी अभियन्ता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद प्रतापगढ़ में 01 ग्राम पंचायत त्रुटिवश छूट गये है, जिसे समिति द्वारा सर्वसहमति से जल जीवन मिशन में सम्मिलित करने हेतु अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को भेजने का निर्णय लिया गया, ग्राम का विवरण निम्नवत् है –

क्र0सं0	विकास खण्ड	ग्राम पंचायत	सम्मिलित राजस्व ग्राम	कुल हाउस होल्ड
1	शिवगढ़	रामपुर आधारगंज	1– रामपुर आधारगंज	218

(कार्यवाही– अधिशासी अभियन्ता उ0प्र0 जल निगम)

अन्य बिन्दु–

- जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में आई0एस0ए0/आई0ई0सी0 एजेन्सीज से एफ0टी0के0 किट वितरण में सहयोग न मिल पाने के कारण एफ0टी0के0 टेस्टिंग की प्रगति अत्यन्त कम है, जिसके कारण जनपद की रैंक खराब है। इस सम्बन्ध

में मुख्य विकास अधिकारी द्वारा समस्त आई0एस0ए0/आई0ई0सी0 एजेन्सीज को लक्ष्य बनाते हुए 15 दिन के अन्दर एफ0टी0के0 किट वितरण कराने के निर्देश दिये गये।

- ग्रीष्म ऋतु को देखते हुए समस्त क्रियाशील पेयजल योजनाओं से नियमित रूप से सुबह 02 घण्टे एवं सायं 02 घण्टे जलापूर्ति करने के निर्देश दिये गये।

अन्त में उपस्थित अधिकारियों/कर्मचारियों को धन्यवाद ज्ञापित करते हुए समिति की बैठक सम्पन्न की गयी।

अधिशासी अभियन्ता/सदस्य सचिव उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण)/ डी0डब्ल्यू0एस0एम0, प्रतापगढ़।	मुख्य विकास अधिकारी/सदस्य जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, प्रतापगढ़।	जिलाधिकारी/अध्यक्ष जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, प्रतापगढ़।

कार्यालय जिलाधिकारी, प्रतापगढ़।

पत्रांक : / / दिनांक :

प्रतिलिपि– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1– प्रबन्ध निदेशक, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
2– अधिशासी निदेशक, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ।
3– मुख्य अभियन्ता (ग्रामीण), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), लखनऊ।
4– मुख्य अभियन्ता (का0क्षे0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), कानपुर।
5– अधीक्षण अभियन्ता, मण्डल कार्यालय, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), प्रयागराज।
6– अधीक्षण अभियन्ता, विद्युत वितरण मण्डल, प्रतापगढ़।
7– जिला विकास अधिकारी, प्रतापगढ़।
8– प्रभागीय वनाधिकारी, प्रतापगढ़।
9– जिला मुख्य चिकित्साधिकारी, प्रतापगढ़।
10– जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, प्रतापगढ़।
11– अधिशासी अभियन्ता, वाटर रिसोर्सेस/सिंचाई, प्रतापगढ़।
12– अधिशासी अभियन्ता, ग्राउण्ड वाटर, प्रतापगढ़।
13– जिला कृषि अधिकारी, प्रतापगढ़।
14– जिला सूचना एवं जनसम्पर्क अधिकारी, प्रतापगढ़।
15– अधिशासी अभियन्ता, खण्ड कार्यालय (वि0/यां0), उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), प्रयागराज।
16– जिला समन्वयक, जिला परियोजना निगरानी इकाई, प्रतापगढ़।
17– श्री देवाशीष करमाकर, क्लस्टर हेड, मे0 जे0एम0सी0–एल0सी0ई0सी0पी0एल0 (जेवी), 06 तल, कलपतरू सेनर्जी ग्राण्ड हायात होटल के सामने सान्ताक्रूज (ईस्ट) मुम्बई।
18– श्री वेंकटेश, उप महाप्रबन्धक, मेसर्स पॉवर मेक प्रोजेक्ट–भुरथनम कान्स्ट्रक्शन (जेवी), प्लाट नं0– 77, जुबली इन्क्लेव, हाईटेक ऑकेड, मधापुर, हैदराबाद।
19– श्री आलोक दूबे, प्रोजेक्ट मैनेजर, मेसर्स एल0सी0 इन्फ्रा प्रा0लि0, अहमदाबाद, गुजरात।
20– श्री अरूण कुमार, उप परियोजना प्रबन्धक, मेसर्स मेधज टेक्नो कान्सेप्ट प्रा0लि0।
21– समस्त आई0एस0ए0 एजेन्सीज/आई0ई0सी0 एजेन्सीज, प्रतापगढ़।

जिलाधिकारी/अध्यक्ष
जिला पेयजल एवं स्वच्छता मिशन,
प्रतापगढ़।